विप्लव गायन

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1.

'कण-कण में है व्याप्त वही स्वर ..... कालकूट फणि को चिंतामणि।'

(क) 'वही स्वर', 'वह ध्वनि' एवं 'वही तान' आदि वाक्यांश किसके लिए किस भाव के लिए प्रयुक्त हुए हैं?

(ख) वही स्वर, वह ध्वनि एवं वही तान से संबंधित भाव का 'रुद्ध-गीत की क्रुद्ध तान है/निकली मेरी अंतरतर से-पंक्तियों से क्या कोई संबंध बनता है?

उत्तर-

(क) 'वही स्वर' 'वह ध्वनि' एवं 'वही तान' नवनिर्माण का रास्ते खोलने के लिए तथा जनजागृति का आहवान करने के लिए प्रयोग किया गया है। इसके अलावे इन वाक्यांशों का प्रयोग क्रांति की उस भावना के लिए प्रयोग किए हुए हैं, जो हर ओर व्याप्त है।

(ख) हाँ, वही स्वर, वही ध्वनि एवं वही तान से संबंधित भाव रुद्ध-गीत की क्रुद्ध तान है। निकली मेरे अंतरतर से पंक्तियों में सही संबंध बनता है क्योंकि कवि इनकी पंक्तियों में वर्तमान व्यवस्था के प्रति आक्रोश है, वही क्रांति गीत के रूप में निकल रहा है। वही क्रांति रोम-रोम में घुलकर प्रति ध्वनित होने लगती है।

प्रश्न 2.

नीचे दी गई पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

'सावधान! मेरी वीणा में " दोनों मेरी ऐंठी हैं।'

उत्तर

इन पंक्तियों का भाव यह है कि कवि लोगों को परिवर्तन के प्रति सावधान करता है और वीणा से कोमल स्वर निकालने की बजाय कठोर स्वर निकालने के कारण उसकी उँगलियों की मिज़राबें टूटकर गिर गईं, जिससे उसकी उँगलियाँ ऐंठकर घायल हो जाती हैं।

बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) कवि अपनी कविता के माध्यम से आहवान कर रहा है

(i) स्वतंत्रता सेनानियों

(ii) देशवासियों से

(iii) नवयुवकों से

(iv) सेना से।

(ख) 'उथल-पुथल मचने' से कवि का क्या अभिप्राय है?
(i) विद्रोह का होना
(ii) क्रांति का आगमन होना
(iii) आँधी का आना
(iv) समाज में परिवर्तन का होना।

(ग) कवि देशवासियों को कैसी तान सुनाना चाहता है?
(i) प्राचीन परंपराओं को समाप्त करने की
(ii) परिवर्तन एवं नवनिर्माण करना
(iii) बदलाव की
(iv) उपर्युक्त सभी।

(घ) इस कविता के रचयिता कौन हैं?
(i) रामधारी सिंह दिनकर
(ii) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'।
(iii) सुमित्रानंदन पंत
(iv) सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला'।

(ङ) कवि कैसा गीत नहीं लिख पा रहा है
(i) रुद्र गीत
(ii) क्रांति गीत
(iii) मारक गीत
(iv) प्रेम गीत।

**** Do all the work in your Hindi Lit copy.**